# पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम शुरू करेगा सीआईएमपी

**पटना (एसएनबी)।** राजधानी का चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम अपने में अद्वितीय होगा, क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाए उनके स्वरोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा। वर्तमान में इस

■ देश में 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने दी है मंजूरी

कार्यक्रम के लिए देश में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है और बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल सीआईएमपी को यह सुनहरा मौका मिला है। यह अनूठा कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागी के उद्यम विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण,पूर्व-ऊ ष्मायन सुविधा (प्री -इन्क्यूबेशन ), प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट, परीक्षण, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यवसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना को ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट) कार्यक्रम की मंजूरी मिल गई है। कई मानदंडों के विरुद्ध सभी निर्दिष्ट मापदंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, एआईसीटीई ने 30 (सीटों के साथ सीआईएमपी के पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम को मंजूरी मिली। आवेदक के पास भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी

पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम की जानकारी देते सीआईएमपी के निदेशक प्रो.राणा सिंह।

विश्वविद्यालय, संस्थान से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। नवीन व्यावसायिक विचारों या स्टार्टअप वाले उद्यमशीलता की मानसिकता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी। पाठ्यक्रम शुल्क का 80 प्रतिशत उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा वहन किया जाएगा और 20 प्रतिशत पाठ्यक्रम शुल्क सामान्य और ओबीसी वर्ग के छात्रों द्वारा वहन किया जाएगा। पाठ्यक्रम शुल्क का 90 प्रतिशत उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। एससी, एसटी, महिला, दिव्यांग, विशेष श्रेणी के छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम शुल्क का 10 प्रतिशत वहन करना होगा।

सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि नए कार्यक्रम के तहत, संस्थान बाजार के विकास और आईपीआर फाइलिंग के मामले में भी सहयोग देगा। इस कार्यक्रम को चलाने के लिए फंक्शनल इन्क्यूबेशन सेंटर का होना एक आवश्यक शर्त है। कार्यक्रम पाठ्यक्रम मॉड्यूल के भाग के रूप में परियोजनाओं, लाइव इंटर्नशिप आदि जैसे विभिन्न घटकों को शामिल करके उम्मीदवारों के समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा। यह नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में क्षमता निर्माण प्रक्रिया को उत्प्रेरक रूप से बढ़ावा देगा।

Rashtriya Sahara ! Page No - 04 ! Date - 12-05-2023 !

# CIMP is the first institute in Bihar to launch an AICTE approved PGDM- IEV Programme

**OUR CORRESPONDENT**

**PATNA:** Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) has launched Post Graduate Programme in Management in area of innovation, entrepreneurship and venture development. This programme is unique in its outcome as it ensures and encourages employment generation from participants and not just letting them be employees. Currently, this programme has been only approved to 25 Business Schools across India and only to one in Bihar and that is CIMP. This unique programme shall focus on enterprise development in each of the participants wherein institute will support in terms of idea generation, pre-incubation facility, Proof of Concept (PoC) testing, incubation support, prototype development, testing and commercialization. CIMP has got approval of programme PGDM-IEV (Post Graduate Diploma in Management, Innovation, Entrepreneurship and Venture Development) by All India Council for Technical Education (AICTE). After detailed deliberations on all specified parameters against several criteria, AICTE approved PGDM-IEV programme of CIMP with an intake of 30 seats. The applicant must have a bachelor's degree from any University or Institution recognised by Union Ministry of Education. Candidates with entrepreneurial mindset having innovative business ideas or startups will be given preference. 80% of course fees will be borne by Department of Industries, government of Bihar and 20% of course fees will be borne by students for General and OBC Category. 90% of course fees will be borne by Department of Industries, Govt. of Bihar and 10% of course fees will be borne by students for SC/ST/Women/Differently abled/Special Category. "Under the new programme, Institute will also extend support in terms of market development and IPR filing", said CIMP Director Prof. Dr. Rana Singh. Ministry of Education (MoE) has made a functional incubation centre, a prerequisite for this programme. The programme will ensure overall development of the candidates by putting in various components such as projects and live internship as part of the course module. This will give catalytic boost to the capacity building process in the domain of innovation, entrepreneurship and venture development (IEV). Candidate can apply online by visiting CIMP's website www.cimp.ac.in/p/about-pgdm-iev.

Morning India ! Page No - 03 ! Date - 12-05-2023 !

# पीजीडीएम आईईवी कार्यक्रम शुरू करनेवाला सीआईएमपी बिहार का पहला संस्थान

**पटना/का.सं।** चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र मे प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम अपने परिणाम में अद्वितीय होगा क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाय उनके स्वरोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा। इस संबंध में संस्थान के निदेशक राणा सिंह ने बताया कि वर्तमान में इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है और बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल, सीआईएमपी है। यह अनूठा कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागियों से उद्यम विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा यानि प्री -इन्क्यूबेशन, पूफ्र ऑफ कॉन्सेप्ट परीक्षण, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, प्रोटो टाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायी करण के संदर्भ में समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना को ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन की ओर से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट कार्यक्रम की मंजूरी मिली है। नवीन व्यावसायिक विचारों या स्टार्टअप वाले उद्यमशीलता की मानसिकता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी। पाठ्यक्रम शुल्क का 80 प्रतिशत उद्योगविभाग, बिहार की ओर से वहन किया जाएगाऔर 20 प्रतिशत पाठ्यक्रम शुल्क सामान्य और ओबीसी वर्ग के छात्रों से लिया जायेगा। वहीं एससी एटी, दिव्यांग, महिला व विशेष श्रेणी के बच्चों से महज 10 प्रतिशत शुल्क लिया जायेगा। निदेशक ने कहा कि नये कार्यक्रम के तहत, संस्थान बाजार के विकास और आईपीआर फाइलिंग के मामले में भी सहयोग देगा।

Sanmarg ! Page No - 03 ! Date - 12-05-2023 !

## पीजीडीएम-आइइवी कार्यक्रम की एआइसीटीइ से मिली मंजूरी

# सीआइएमपी में नये सत्र से शुरू होगी इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप की पढ़ाई

### देश में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को है अनुमति

संवाददाता, पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा पीजी कोर्स शुरू करने जा रहा है. यह कोर्स नये सत्र से शुरू होगा. इसमें 30 सीटों पर एडमिशन होगा. एआइसीटीइ द्वारा अनुमोदित पीजीडीएम-आइइवी (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट- इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट) शुरू करने वाला सीआइएमपी बिहार का पहला संस्थान होगा. वर्तमान में इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआइसीटीइ ने मंजूरी दी है और बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल, सीआइएमपी को यह अवसर प्राप्त हुआ है. गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने कहा कि यह अनूठा कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागियों से उद्यम विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें संस्थान स्टूडेंट को आइडिया जेनरेशन, प्री -इन्क्यूबेशन, प्रूव ऑफ कन्सेप्ट, परीक्षण, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यवसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा. यह कर्मचारी बनने के बजाय उनके स्वरोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा. उन्होंने कहा कि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट- इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट कार्यक्रम की मंजूरी मिल गयी है. दो साल के कोर्स में पहले साल नवाचार, उद्यमिता, कौशल समेत सात पेपर पढ़ने होंगे. एडमिशन के लिए अभ्यर्थी 30 मई तक सीआइएमपी की वेबसाइट cimp.ac.in/p/about-pgdm-iev पर आवेदन कर सकते हैं.

### फीस का 80 से 90% वहन करेगा उद्योग विभाग

आवेदक के पास मान्यताप्राप्त किसी भी यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए. नवीन व्यावसायिक विचारों या स्टार्टअप वाले उद्यमशीलता की मानसिकता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जायेगी. पाठ्यक्रम शुल्क का 80 प्रतिशत बिहार सरकार का उद्योग विभाग वहन करेगा और 20 प्रतिशत पाठ्यक्रम शुल्क सामान्य और ओबीसी वर्ग के छात्रों द्वारा वहन किया जायेगा. एससी, एसटी, महिला, दिव्यांग व विशेष श्रेणी के छात्रों को पाठ्यक्रम शुल्क का 90 प्रतिशत उद्योग विभाग वहन करेगा. छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम शुल्क का सिर्फ 10 प्रतिशत वहन किया जायेगा. कोर्स की कुल फीस छह लाख रुपये है.

**लाइव प्रैक्टिकल मिलेगा स्टूडेंट्स को :** प्रो राणा सिंह ने कहा कि नये कार्यक्रम के तहत संस्थान बाजार के विकास और आइपीआर फाइलिंग के मामले में भी सहयोग देगा. इस कार्यक्रम को चलाने के लिए फाउंडेशन इन्क्यूबेशन सेंटर का होना आवश्यक शर्त है.

Prabhat Khabar ! Page No -07 Date - 12-05-2023 !

# सीआईएमपी में इसी सत्र से इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप पर 2 साल का कोर्स, पढ़ाई के साथ छात्र खोल सकेंगे कंपनी भी

**ऑनलाइन आवेदन 30 तक**

**कैट, मैट, जैट, सीमैट के स्कोर से 30 सीटों पर होगा दाखिला**

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में इसी सत्र (2023-25) से इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की पढ़ाई होगी। संस्थान दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट- इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट (पीजीडीएम-आईईवी) कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि कोर्स के दौरान ही छात्र सफल उद्यमी बनने के गुर सीखेंगे। अपना बिजनेस सेट कर उसपर काम करेंगे। कोर्स 4 सेमेस्टर का होगा, जिसमें 30 सीटें होंगी। एडमिशन के लिए अभ्यर्थी सीआईएमपी की वेबसाइट www.cimp.ac.in/p/about-pgdm-iev पर 30 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसमें दाखिले के लिए कैट, मैट, जैट, सीमैट का स्कोर मान्य होगा। इसके बाद इंटरव्यू के आधार पर दाखिला होगा। संस्थान ने पाठ्यक्रम के लिए 3 फैकल्टी नियुक्त किए हैं। सीआईएमपी बिहार में यह कोर्स शुरू करने वाला पहला संस्थान है। एआईसीटीई ने इस कोर्स के लिए पूरे देश में सिर्फ 25 संस्थानों को ही मान्यता दी है।

## फीस 6 लाख रुपए; उद्योग विभाग देगा 90 फीसदी तक स्कॉलरशिप

इस कोर्स की फीस 6 लाख रुपए है। दाखिला पानेवाले स्टूडेंट्स को बिहार सरकार का उद्योग विभाग 80 से 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप देगा।आवेदक के पास भारत सरकार से मान्यता प्राप्त विवि से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। स्कॉलरशिप पाने वालों की सूची में नवीन व्यावसायिक विचारों या स्टार्टअप वाले, उद्यमशीलता की मानसिकता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी। सामान्य और ओबीसी वर्ग के छात्रों को 80 प्रतिशत स्कॉलरशिप मिलेगी। एससी-एसटी, महिला, दिव्यांग व विशेष श्रेणी के उम्मीदवारों को 90 प्रतिशत स्कॉलरशिप मिलेगी।

## इस पाठ्यक्रम का मकसद; उद्यम विकास

पीजीडीएम-आईईवी कोर्स में उद्यम विकास पर फोकस रहेगा। दो साल की पढ़ाई के दौरान छात्र नवाचार, उद्यमिता, कौशल विकास समेत 7 पेपर पढ़ेंगे। फिर उनकी कंपनी स्थापित कराई जाएगी। शिक्षक की मदद से बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थान की ओर से स्टूडेंट को आइडिया जनरेशन, प्री-इन्क्यूबेशन, प्रूव ऑफ कॉन्सेप्ट, परीक्षण, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण की शिक्षा दी जाएगी। पहले सेमेस्टर में इन सारे विषयों की पढ़ाई होगी और बाकी के सेमेस्टर में इन पर काम करना होगा। बिजनेस जमाने के गुर भी सिखाए जाएंगे। व्यावहारिक पढ़ाई से बिजनेस शुरू करना और उसे सफल बनाने के तरीके पर काम किया जाएगा।

## छात्रों को लाइव सिखाया जाएगा : निदेशक

सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि संस्थान इस कोर्स में छात्रों को बाजार के विकास और आईपीआर फाइलिंग में सहयोग देगा। प्रोजेक्ट, लाइव इंटर्नशिप के साथ उम्मीदवारों के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। छात्र कोर्स के दौरान ही सब सीख लेंगे और मेंटर्स की देखरेख में अपना बिजनेस भी जमा पाएंगे।

Dainik Bhaskar ! Page No - 04 ! Date - 12-05-2023 !

# सीआइएमपी में नवाचार व उद्यमिता की होगी पढ़ाई, 80 प्रतिशत मिलेगी छात्रवृत्ति

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में इसी सत्र से नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास में प्रबंधन से संबंधित स्नातकोत्तर कोर्स शुरू होगा। एआइसीटीई से मान्यता प्राप्त एडमपीजीडीएम-आईईवी (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट : इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट) कोर्स शुरू करने वाला सीआइएमपी राज्य का पहला संस्थान है। फिलहाल 30 सीटों पर नामांकन होगा। इस कोर्स के लिए देश में सिर्फ 25 बिजनेस स्कूलों को एआइसीटीई ने मंजूरी दी है। उक्त बातें गुरुवार को प्रेसवार्ता में निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि यह कोर्स युवाओं को रोजगार खोजने के बजाए रोजगार देने वाला बनाएगा। संस्थान छात्र को आइडिया जनरेशन, प्री-इन्क्यूबेशन, प्रूव आफ कन्सेप्ट, परीक्षण, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण के लिए सहयोग देगा।

दो साल के कोर्स में पहला नवाचार, उद्यमिता, कौशल से संबंधित सात पेपर पढ़ने होंगे। दूसरे साल में कंपनी स्थापित करायी जायेगी। शिक्षकों के मदद से प्रोटाइप, बाजार आदि उपलब्ध कराया जाएगा।

Dainik Jagran ! Page No - 06 ! Date - 12-05-2023 !

# पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम शुरू करने वाला बिहार का पहला संस्थान होगा सीआईएमपी

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम अपने परिणाम में अद्वितीय होगा क्योंकि यह प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाये उनके स्व-रोजगार सृजन को सुनिश्चित करेगा। वर्तमान में इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है और बिहार में केवल



एक बिजनेस स्कूल, सीआईएमपी को यह सुनहरा मौका मिला है। यह अनूठा कार्यक्रम प्रत्येक प्रतिभागियों से उद्यम विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा (प्री-इन्क्यूबेशन), प्रूफ ऑफ कान्सैप्ट, परीक्षण, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यावसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। साथ ही सीआईएमपी को ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट कार्यक्रम की मंजूरी मिल गई है। कई मानदंडों के विरुद्ध सभी निर्दिष्ट मापदंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, एआईसीटीई ने 30 सीटों के साथ सीआईएमपी के पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा, 'नए कार्यक्रम के तहत, संस्थान बाजार के विकास और आईपीआर फाइलिंग के मामले में भी सहयोग देगा।' उम्मीदवार सीआईएमपी की वेबसाइट 222.ष्द्मद्बश्च.ड्डष्.द्बठ्ठ/श्च/ड्डद्धश्चद्बह्ल-श्चद्दस्रद्व-द्बद्ग1 पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

Aaj ! Page No - 11 ! Date - 12-05-2023 !